JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमत का अध्ययन करना।

शोध निर्देशक
****डॉ. अवधेश आढ़ा**
डीन एवं प्रोफेसर
माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा, सिरोही
राजस्थान

पीएच.डी. शोधार्थी
***रेखा पालीवाल**,
माधव विश्वविद्यालय, पिंडवाड़ा, सिरोही
राजस्थान

मुख्य शब्द – उच्च माध्यमिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, चुनौतियाँ आदि।

सार सक्षेप :-

यह शोध उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमत पर आधारित है। न्यादर्श हेतु राजस्थान राज्य के चार जिलों सिरोही, डूंगरपुर, राजसमंद एवं भीलवाड़ा के कुल 32 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 192 ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों का चयन किया गया है। उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति शिक्षकों के अभिमत हेतु स्वनिर्मित अभिमतावली का प्रयोग किया किया गया। दत्त विश्लेषण के लिए टी–परीक्षण सांख्यिकीय तकनीक का उपयोग किया गया। शोध के परिणाम स्पष्ट करते है कि ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली संभावित चुनौतियों का अधिक सामना किया है। उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति शहरी शिक्षक अधिक जागरूक है।

समस्या की पृष्ठ भूमि, औचित्य एवं महत्त्व :–

राष्ट्र की प्रगति का आधार उस राष्ट्र की शिक्षा नीति होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 निश्चित् ही समर्थ भारत राष्ट्र के पुनःनिर्माण का योजनाबद्ध दस्तावेज़ है, जो वैश्विक पटल पर सन् 2030 के बाद की भारतीय भूमिका को यथार्थ स्वरूप प्रदान करता हुआ पथ साबित होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति शिक्षकों के अभिमतों का सामान्यीकरण किया जा सकेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियाँ ओर उसका समाधान सुदृढ़, सक्षम एवं समर्थ वैश्विक राष्ट्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान होगा। युवा भारत राष्ट्र के भविष्य हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के समाधान के साथ ही सन् 2030 तक के राष्ट्रीय स्वप्नों, लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकेगा। सन् 2030 को ध्यान में रखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रस्तुत की गई। उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का अध्ययन शोध कार्य करने हेतु अन्तर्प्रेरित है।

शोध शीर्षक :–

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमत का अध्ययन।

शोध के उद्देश्य :–

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमत का तुलनात्मक अध्ययन करना।

समस्या का परिभाषीकरण :–

1. **उच्च माध्यमिक स्तर :–**

   उच्च माध्यमिक स्तर से तात्पर्य कक्षा 11 एवं 12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं शिक्षण कार्य करवाने वाले शिक्षकों से हैं।

2. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 :–**

   राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कुशल क्रियान्वयन एवं रणनीति पर भी शिक्षा सम्बन्धी अभिकरणों को सशक्त मार्गदर्शन प्रस्तुत करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 निश्चित् ही समर्थ भारत राष्ट्र के पुनःनिर्माण का योजनाबद्ध दस्तावेज़ है, जो वैश्विक पटल पर सन् 2030 के बाद की भारतीय भूमिका को यथार्थ स्वरूप प्रदान करता हुआ पथ साबित होगा।

3. **क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियाँ :–**

   शोध कार्य के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर वर्तमान में प्रासंगिकता के आधार पर विविध अभिमतों का सामान्यीकरण किया जा सकेगा। साथ ही क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के समाधान प्राप्त किए जा सकेंगे। इस शोध कार्य के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सन् 2030 तक की सम्भावनाओं को शैक्षिक जगत् तक पहुँचाने का प्रयास है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियाँ ओर उसका समाधान सुदृढ़, सक्षम एवं समर्थ वैश्विक राष्ट्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान होगा।

परिसीमन :–

प्रस्तुत शोधकार्य का क्षेत्र राजस्थान राज्य के चार जिलों सिरोही, डूंगरपुर, राजसमंद एवं भीलवाड़ा के कुल 32 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 192 शिक्षकों तक ही सीमित रखा गया है।

न्यादर्श :–

यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से न्यादर्श का चयन किया गया है। शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में सिरोही, डूंगरपुर, राजसमंद एवं भीलवाड़ा के कुल 32 उच्च माध्यमिक विद्यालयों में से 192 शिक्षकों का चयन किया गया है। प्रत्येक जिले से 04 ग्रामीण एवं 04 शहरी कुल 8 विद्यालयों का चयन किया गया। प्रत्येक विद्यालय से 6 शिक्षकों का चयन किया गया।

विधि :–

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

उपकरण :–

प्रस्तुत अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति शिक्षकों के अभिमत हेतु स्वनिर्मित अभिमतावली का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय तकनीक :–

प्रस्तुत शोध कार्य में दत्त विश्लेषण के लिए टी–परीक्षण सांख्यिकीय तकनीक को उपयोग में लिया गया।

परिकल्पना :–

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमत में सार्थक अन्तर नहीं है।

दत्त विश्लेषण :–

उद्देश्य संख्या–1 उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमत का तुलनात्मक अध्ययन करना।

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमतों का विश्लेषण कर प्राप्त आंकड़ों की गणना की गई।

सारणी संख्या 1

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमतों का मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–मान के आधार पर क्षेत्रवार विश्लेषण

क्र. सं.	एनईपी 2020 क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियों के क्षेत्र	ग्रामीण शिक्षक $N_1=96$		शहरी शिक्षक $N_2=96$		मध्य मान अन्तर D [Ste]	अन्तर की मानक त्रुटि σD [SED]	df	टी–मान	सार्थकता अन्तर
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन					
1	पाठ्यचर्या संबंधी चुनौतियाँ	23.08	2.26	20.95	3.10	2.13	0.39	190	5.44	S
2	आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी चुनौतियाँ	22.53	2.50	22.28	2.72	0.25	0.38	190	0.66	NS
3	गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सम्बन्धी चुनौतियाँ	31.06	5.77	28.45	5.98	2.61	0.85	190	3.07	S
4	वैश्वीकरण संबंधी चुनौतियाँ	17.85	2.16	16.80	2.05	1.07	0.30	190	3.52	S
5	भौतिक संसाधन संबंधी चुनौतियाँ	26.41	5.57	24.80	4.69	1.61	0.74	190	2.17	S
6	प्रशासनिक चुनौतियाँ	28.92	5.55	27.01	5.18	1.91	0.77	190	2.46	S
7	भाषायी विविधता संबंधी चुनौतियाँ	18.93	1.67	17.59	2.39	1.34	0.29	190	4.50	S
8	निजीकरण एवं व्यावसायीकरण संबंधी चुनौतियाँ	18.04	2.01	16.35	2.50	1.69	0.33	190	5.16	S
समग्र		186.84	27.51	174.23	28.64	12.61	4.05	190	3.11	S

df = 190
't' का सारणी मान = .01 = 2.60, .05 = 1.97
S = सार्थक अन्तर,
NS = सार्थक अन्तर नहीं

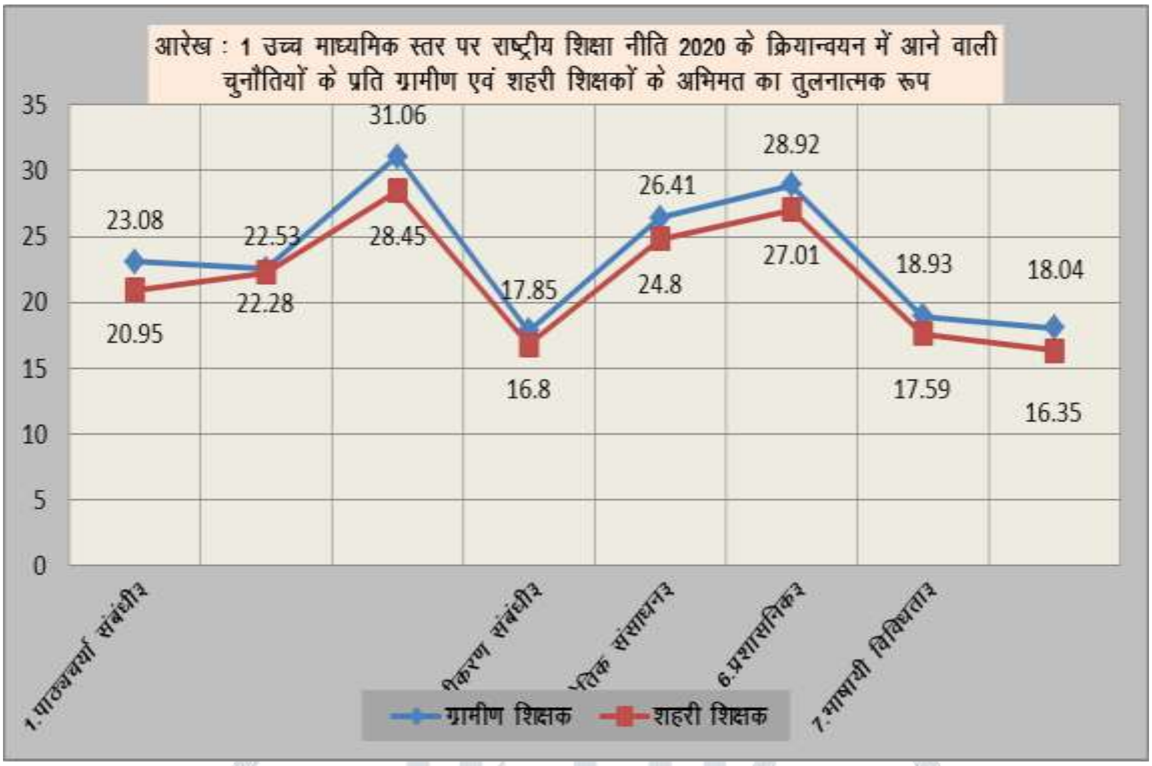

व्याख्या –

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के बीच अंतर का पता लगाने के लिए टी–अनुपात की गणना की गई। ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 186.84 शहरी शिक्षकों के मध्यमान 174.23 से अधिक है। माध्य के बीच अंतर के लिए 0.01 स्तर पर सभी क्षेत्रों के प्राप्तांकों का समग्र टी–मान 3.11 है। प्राप्त परिणामों के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का अधिक सामना किया है। इससे यह निष्कर्ष निकला कि उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति शहरी शिक्षक अधिक सकारात्मक है। आरेख 1 में उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों को तुलनात्मक रूप से दर्शाया गया है। अतः परिकल्पना ''उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमत में सार्थक अन्तर नहीं है।'' अस्वीकार की जाती है।

- **प्रथम क्षेत्र : पाठ्यचर्या संबंधी चुनौतियाँ :–**

  उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रथम क्षेत्र 'पाठ्यचर्या संबंधी चुनौतियाँ' के प्रति प्राप्त आंकड़ों का टी–मान 5.44 सारणी के टी–मान .01 स्तर पर 2.60 से अधिक है। ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 23.08 शहरी शिक्षकों के मध्यमान 20.95 से अधिक है। प्राप्त परिणामों के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के पाठ्यचर्या संबंधी चुनौतियों के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में पाठ्यचर्या संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। इससे यह निष्कर्ष निकला कि ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार पाठ्यचर्या भार को अपनी मूल अवधारणाओं तक कम किया जाना चाहिए।

- **द्वितीय क्षेत्र : आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी चुनौतियाँ :–**

  उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के द्वितीय क्षेत्र 'आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी चुनौतियाँ' के प्रति प्राप्त आंकड़ों का टी–मान 0.66 सारणी के टी–मान .01 स्तर पर 2.60 से कम है। ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 22.53 एवं शहरी शिक्षकों का मध्यमान 22.28 है। प्राप्त परिणामों के आधार

पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी चुनौतियों के स्तर में सार्थक अन्तर नहीं है। ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों ने समान रूप से आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी चुनौतियों का सामना किया है।

- **तृतीय क्षेत्र : गुणक्त्तापूर्ण शिक्षा सम्बन्धी चुनौतियाँ :–**

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के तृतीय क्षेत्र 'गुणक्त्तापूर्ण शिक्षा सम्बन्धी चुनौतियाँ' के प्रति प्राप्त आंकड़ों का टी–मान 3.07 सारणी के टी–मान .01 स्तर पर 2.60 से अधिक है। ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 31.06 शहरी शिक्षकों के मध्यमान 28.45 से अधिक है। प्राप्त परिणामों के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के गुणक्त्तापूर्ण शिक्षा सम्बन्धी चुनौतियों के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में गुणक्त्तापूर्ण शिक्षा सम्बन्धी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। इससे यह निष्कर्ष निकला कि ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार NEP 2020 में शिक्षार्थियों को समान रूप से सर्वोच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना चुनौतीपूर्ण है।

- **चतुर्थ क्षेत्र : वैश्वीकरण संबंधी चुनौतियाँ :–**

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के चतुर्थ क्षेत्र 'वैश्वीकरण संबंधी चुनौतियाँ' के प्रति प्राप्त आंकड़ों का टी–मान 3.52 सारणी के टी–मान .01 स्तर पर 2.60 से अधिक है। ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 17.87 शहरी शिक्षकों के मध्यमान 16.80 से अधिक है। प्राप्त परिणामों के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के वैश्वीकरण संबंधी चुनौतियाँ के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में वैश्वीकरण संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। इससे यह निष्कर्ष निकला कि ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार नवाचार को बढ़ावा देने एवं नवीनतम पाठ्यक्रमों में विविधता लाने के लिए वैश्वीकरण आवश्यक है।

- **पंचम क्षेत्र : भौतिक संसाधन संबंधी चुनौतियाँ :–**

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के पंचम क्षेत्र 'भौतिक संसाधन संबंधी चुनौतियाँ' के प्रति प्राप्त आंकड़ों का टी–मान 2.17 सारणी के टी–मान .05 स्तर पर 1.97 से अधिक है। ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 26.41 शहरी शिक्षकों के मध्यमान 24.80 से अधिक है। प्राप्त परिणामों के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के भौतिक संसाधन संबंधी चुनौतियों के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में भौतिक संसाधन संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। इससे यह निष्कर्ष निकला कि ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार भौतिक संसाधनों की उपलब्धता आवश्यक है।

- **षष्टम क्षेत्र : प्रशासनिक चुनौतियाँ :–**

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के षष्टम क्षेत्र 'प्रशासनिक चुनौतियाँ' के प्रति प्राप्त आंकड़ों का टी–मान 2.46 सारणी के टी–मान .05 स्तर पर 1.97 से अधिक है। ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 28.92 शहरी शिक्षकों के मध्यमान 27.01 से अधिक है। प्राप्त परिणामों के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के प्रशासनिक चुनौतियों के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में प्रशासनिक चुनौतियों का अधिक सामना किया है। इससे यह निष्कर्ष निकला कि ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार विद्यालय में पाठ्यचर्या और सह–पाठ्यचर्या गतिविधि संबंधी वातावरण बनाने में कठिनाई आती है।

- **सप्तम क्षेत्र : भाषायी विविधता संबंधी चुनौतियाँ :–**

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के सप्तम क्षेत्र 'भाषायी विविधता संबंधी चुनौतियाँ' के प्रति प्राप्त आंकड़ों का टी–मान 4.50 सारणी के टी–मान .01 स्तर पर 2.60 से अधिक है।

ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 18.93 शहरी शिक्षकों के मध्यमान 17.59 से अधिक है। प्राप्त परिणामों के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की भाषायी विविधता संबंधी चुनौतियों के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में भाषायी विविधता संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। इससे यह निष्कर्ष निकला कि ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार जिस कक्षा में बच्चों के घर की भाषा को स्थान दिया जा रहा है, वहां बच्चों को सोच–समझकर तर्क के साथ अपनी बात रखने के अवसर देना आवश्यक हैं।

- **अष्टम क्षेत्र : निजीकरण एवं व्यावसायीकरण संबंधी चुनौतियाँ :–**

उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के अष्टम क्षेत्र 'निजीकरण एवं व्यावसायीकरण संबंधी चुनौतियाँ' के प्रति प्राप्त आंकड़ों का टी–मान 5.16 सारणी के टी–मान .01 स्तर पर 2.60 से अधिक है। ग्रामीण शिक्षकों का मध्यमान 18.04 शहरी शिक्षकों के मध्यमान 16.35 से अधिक है। प्राप्त परिणामों के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के निजीकरण एवं व्यावसायीकरण संबंधी चुनौतियों के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में निजीकरण एवं व्यावसायीकरण संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। इससे यह निष्कर्ष निकला कि ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार निजीकरण कॉपीराइट के बिन्दुओं को ध्यान में रखकर मौलिक ई–कंटेंट विकसित करना चुनौतीपूर्ण है।

निष्कर्ष :–

शोध निष्कर्षानुसार ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के स्तर में भिन्नता है। ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का अधिक सामना किया है। उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति शहरी शिक्षक अधिक सकारात्मक है। अतः परिकल्पना ''उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के प्रति ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों के अभिमत में सार्थक अन्तर नहीं है।'' अस्वीकार की जाती है।

- **पाठ्यचर्या संबंधी चुनौतियों के निष्कर्ष :–** ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में पाठ्यचर्या संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार पाठ्यचर्या भार को अपनी मूल अवधारणाओं तक कम किया जाना चाहिए।
- **आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी चुनौतियों के निष्कर्ष :–** ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों ने समान रूप से आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी चुनौतियों का सामना किया है।
- **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सम्बन्धी चुनौतियों के निष्कर्ष :–** ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सम्बन्धी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार NEP 2020 में शिक्षार्थियों को समान रूप से सर्वोच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना चुनौतीपूर्ण है।
- **वैश्वीकरण संबंधी चुनौतियों के निष्कर्ष :–** ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में वैश्वीकरण संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार नवाचार को बढ़ावा देने एवं नवीनतम पाठ्यक्रमों में विविधता लाने के लिए वैश्वीकरण आवश्यक है।
- **भौतिक संसाधन संबंधी चुनौतियों के निष्कर्ष :–** ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में भौतिक संसाधन संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार भौतिक संसाधनों की उपलब्धता आवश्यक है।

- **प्रशासनिक चुनौतियों के निष्कर्ष :–** ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में प्रशासनिक चुनौतियों का अधिक सामना किया है। ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार विद्यालय में पाठ्यचर्या और सह–पाठ्यचर्या गतिविधि संबंधी वातावरण बनाने में कठिनाई आती है।
- **भाषायी विविधता संबंधी चुनौतियों के निष्कर्ष :–** ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में भाषायी विविधता संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार जिस कक्षा में बच्चों के घर की भाषा को स्थान दिया जा रहा है, वहां बच्चों को सोच–समझकर तर्क के साथ अपनी बात रखने के अवसर देना आवश्यक हैं।
- **निजीकरण एवं व्यावसायीकरण संबंधी चुनौतियों के निष्कर्ष :–** ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में निजीकरण एवं व्यावसायीकरण संबंधी चुनौतियों का अधिक सामना किया है। ग्रामीण शिक्षकों के अनुसार निजीकरण कॉपीराइट के बिन्दुओं को ध्यान में रखकर मौलिक ई–कंटेंट विकसित करना चुनौतीपूर्ण है।

शैक्षिक निहितार्थ :–

ग्रामीण शिक्षकों ने शहरी शिक्षकों की तुलना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली संभावित चुनौतियों का अधिक सामना किया है। शोध से प्राप्त परिणामों में कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त हुए है। जिनका यथोचित उपयोग उच्च माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के समाधान में किया जा सकता है।

- चुनौतियों को कम करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण और अवधारणा–उन्मुख शिक्षण का चयन किया जाना चाहिए।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सम्बन्धी चुनौतियों को कम करने के लिए निर्देशन कार्यक्रम, पर्यवेक्षण कार्यक्रम, पाठयोजना निर्माण, कक्षा शिक्षण कार्यक्रम पर विशेष जोर देना होगा। शिक्षक प्रशिक्षण एवं विकास में निवेश करके, पाठ्यक्रम का नियमित मूल्यांकन एवं अद्यतन करके, आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर, छात्रों एवं अभिभावकों से प्रतिपुष्ठि प्राप्त करके शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। गुणवत्तायुक्त अकादेमिक अनुसंधान को उत्प्रेरित कर शोध की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु प्रोद्योगिकी हेतु डिजिटल क्लासरूम, दूरस्थ विशेषज्ञता–संचालित शिक्षण मॉडल, डिजिटल बुनियादी ढांचे को विकसित करने की आवश्यकता है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में पाठ्यचर्या तथा आकलन एवं मूल्यांकन संबंधी चुनौतियों के प्रति शिक्षकों द्वारा छात्र अधिगम, विषय आधारित मूल्यांकन, विद्यालय स्तर पर आकलन, व्यावसायिक कौशल का विकास, व्यवहार और समझ पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम आधारित मूल्यांकन के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है।
- वैश्वीकरण संबंधी चुनौतियों को कम करने के लिए सरकार द्वारा आधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी के अनुकूल विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण में निवेश करना चाहिए।
- वर्तमान में निजीकरण एवं व्यावसायीकरण संबंधी चुनौतियों को कम करने के लिए विविध सुविधाओं एवं शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के समकक्ष आँगनवाड़ी केन्द्रों को सुदृढ़ करना आवश्यक है।
- सर्व प्रथम बच्चों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान सिखाना आवश्यक है।

संदर्भ सूची

1 ढौंडियाल, सच्चिदानंद; फाटक अरविंद (2003). **शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र**, जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।

2 पाठक, पी.डी. तथा त्यागी, जी.एस डी. (1967) : **भारतीय शिक्षा के आयोग**, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

3 मानव संसाधन विकास मंत्रालय (2020). **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020,** नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय), भारत सरकार।

4 मिश्रा डॉ. महेन्द्र कुमार (2004): **शिक्षा सिद्धान्त एवं आधुनिक भारत की शिक्षा**, यूनिवर्सिटी बुक हाउस, जयपुर।

5 Agrwal J.C. (1989) : **National Policy on Education,** Delhi, Doba House.

6 Agrwal J.C. (1990) : **Ramamurti Report on National Publicy on Education in India,** Delhi, Doba House.

7 Agrwal J.C. (1992) : **Education Policy in India,** Delhi, Shipra Publication.

8 Borg, Walter [1969] : ***Educational Research-An Introduction***, New York : Longmans Green and Co. Ltd.

9 Chaubey, S.P. (1956) : **Secondary Education for India**, New Delhi, Atma Ram and Sons.

10 Govt. of India (1986) : **National Policy on Education-1986,** Ministry of Human Resource Development (Dept. of Education) New Delhi.

11 Shukla, P.D.(1970) : **The New Education Policy in India**, New Delhi, Sterling Publication Pvt. Ltd.

12 https://www.education.gov.in (India Ministry of Education)

13 https://www.mynep.in

14 https://vikaspedia.in›education

.....................0.....................